

RBI द्वारा कोटक महदिरा बैंक के वरिद्ध नयामक कार्रवाई

[स्रोत: द हट्टि](#)

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) ने कोटक महदिरा बैंक (KMB) को उसके ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों पर नए ग्राहकों को जोड़ने तथा नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोक दिया है।

- हालाँकि, बैंक को अपने मौजूदा ग्राहकों को ये सेवाएँ प्रदान करने की अनुमति है।

भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा प्रतबिंध लगाने का क्या कारण है?

- RBI के अनुसार, KMB ने नमिनलखिति आयामों के संदर्भ में "व्यापक स्तर पर नयिमों को अनदेखा" किया:
 - IT इन्वेंटरी और उपयोगकर्त्ता पहुँच प्रबंधन।
 - डेटा लीक रोकथाम रणनीति।
 - व्यापार नरितरता और आपदा पुनर्रप्राप्ति कठोरता एवं अभ्यास।
- RBI द्वारा वर्ष 2022 और 2023 के लिये बैंक के सस्टिम की जाँच के दौरान इन कमथियों की पहचान की गई।
- नयामक ने पाया कसिफारिशों और सुधारात्मक कार्य योजनाओं के बावजूद, **KMB इन चतिओं को व्यापक स्तर पर और त्वरति रूप से संबोधति करने में वफिल रहा।**
- बैंक को RBI की बाद की सफारिशों या 'सुधारात्मक कार्य योजनाओं' (CAP) का अनुपालन न करने वाला भी माना गया।
 - CAP वनियमति संस्थाओं की मज़बूती सुनश्चिति करने के लिये RBI की एक हसतकषेप योजना का हसिसा है।
- **RBI के प्रतबिंध का प्रभाव:**
 - नयामक कार्रवाई KMB की क्रेडिट वृद्धि और लाभप्रदता को नकारात्मक रूप से प्रभावति कर सकती है, क्योंकि क्रेडिट कार्ड बैंक के लिये अधिक उपज देने वाला लक्ष्य वकिसा खंड है।
 - KMB को RBI की प्रमुख चतिओं को पूरी तरह से संबोधति करने में एक वर्ष लग सकता है, क्योंकि बिदलावों को लागू करने और बाहरी ऑडिट में समय लगेगा।
 - यह प्रतबिंध KMB के खुदरा उत्पादों के वकिसा पथ में बाधा उत्पन्न करेगा, जसिसे मार्जनि और लाभप्रदता पर प्रतकिल प्रभाव पड़ेगा।

बैंकिग वनियमन में RBI की क्या भूमकि है?

- **बैंकिग वनियमन अधनियम, 1949:**
 - RBI बैंकों के वनियमन और पर्यवेक्षण के लिये शासी नकिया है। [बैंकिग वनियमन अधनियम, 1949](#) एक ऐसा अधनियम है जो भारत के बैंकों को वनियमति करने के लिये एक रूपरेखा प्रदान करता है।
 - यह अधनियम RBI को बैंकों के व्यवहार को नयितरति करने की शकति देता है। यह अधनियम बैंकिग कंपनी अधनियम, 1949 के रूप में पारति कया गया था।
 - यह अधनियम बैंक के दैनकि कार्यों की नगिरानी करता है। इस अधनियम के तहत, RBI बैंकों को लाइसेंस दे सकता है, शेयरधारकों की शेयरधारति और वोटगि अधकिारों पर वनियमन कर सकता है, बोर्ड एवं प्रबंधन की नयिकृत्की देखरेख कर सकता है तथा ऑडिट के लिये नरिदेश दे सकता है। **RBI वलिय और परसिमापन में भी भूमकि नभिाता है।**
 - कोई भी बैंकिग कंपनी RBI से लाइसेंस के बनिा भारत में काम नहीं कर सकती है, जो लाइसेंस देने से पहले कंपनी के बही-खातों का नरिक्षण कर सकता है और अगर कंपनी भारत में अपना बैंकिग परचालन बंद कर देती है तो यह लाइसेंस रद्द भी कर सकती है।
- **त्वरति सुधारात्मक कार्रवाई (Prompt Corrective Action- PCA) फ्रेमवर्क:**
 - RBI द्वारा PCA फ्रेमवर्क उन बैंकों पर नरिदेशति एक पर्यवेक्षी रणनीति है जो **कमज़ोर वतितीय मैट्रक्स प्रदर्शति** करते हैं।
 - RBI के PCA फ्रेमवर्क में बैंकों के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की नगिरानी शामिल है, जैसे **पूँजी से जोखमि-भारति संपत्ति अनुपात (Capital to Risk-weighted Assets Ratio- CRAR)**, **शुद्ध गैर-नषिपादति संपत्ति (Net Non-Performing Assets- NNPA)** अनुपात और **उत्तोलन अनुपात** (कसिी व्यावसायिक इकाई द्वारा अपनी बैलेंस शीट, आय वविरण में कई अन्य खातों के वरिद्ध कयि गए ऋण का स्तर)।
 - यदि कोई बैंक इन संकेतकों के लिये नरिधारति जोखमि सीमाओं का उल्लंघन करता है, तो RBI, PCA लागू कर सकता है, जसिसे अनय चीज़ों के अतरिकित लाभांश वतिरण, शाखा वसितार और प्रबंधन मुआवज़े पर प्रतबिंध लग सकता है।

- **PCA फ़रेमवर्क** का उद्देश्य बैंकों को कम पूंजी स्तर, खराब परसिंपत्ता गुणवत्ता या लाभहीन संचालन से उत्पन्न जोखिमों को कम करने के लिये **सुधारात्मक कदम उठाने हेतु प्रोत्साहति करना** है।
- इसका उद्देश्य बैंकों की वित्तीय स्थितियों को पारदर्शी बनाकर बाज़ार अनुशासन लागू करना भी है।

RBI द्वारा पछिले कयि गए कार्यों का तुलनात्मक वश्लेषण:

- दसिंबर 2020 में HDFC बैंक को अपने इंटरनेट व **मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म में बार-बार रुकावट या समस्या** के कारण नए डजिटल उत्पाद लॉन्च करने तथा नए क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को सोर्स करने से रोक दिया गया था।
- अक्टूबर 2023 में **बैंक ऑफ बड़ौदा** को "कुछ सामग्री पर्यवेक्षी चतिऑ" को लेकर अपने 'बॉब वर्ल्ड' मोबाइल एप्लिकेशन पर ग्राहकों की नई ऑनबोर्डिंग को नलिंबति करने का नरिदेश दिया गया था।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. मौद्रिक नीतिसमिति (मोनेटरी पालिसी कमिटी/ MPC) के संबंध में नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. यह RBI की मानक (बेंचमार्क) ब्याज दरों का नरिधारण करती है।
2. यह एक 12 सदस्यीय नकाय है जिसमें RBI का गवर्नर शामिल है तथा प्रत्येक वर्ष इसका पुनर्गठन कया जाता है।
3. यह केंद्रीय वतितमंत्रि की अध्यक्षता में कार्य करती है।

नीचे दयि गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न: यदि आर.बी.आई. प्रसारवादी मौद्रिक नीतिका अनुसरण करने का नरिणय लेता है, तो वह नमिनलखिति में से क्या नहीं करेगा? (2020)

1. वैधानिक तरलता को घटाकर उसे अनुकूलति करना
2. सीमांत स्थायी सुवधि दर को बढ़ाना
3. बैंक दर को घटाना तथा रेपो दर को भी घटाना

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि-

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)